

संकट की घड़ी में पूरी सरकार है बाढ़ पीड़ितों के साथ: सीएम

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण, किया मुआयना अधिकारियों को तीन दिन तक चित्रकूट में ही रहकर राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन मुखार विन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़



से नदी का पानी घरों में घुसने से काफी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है।

उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी।

जलभराव वाले क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की।

गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती सीजेआई सूर्यकांत बोले-डिजिटल अरेस्ट पर खुद संज्ञान लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के फ़ॉंड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'डिजिटल अरेस्ट' स्केम पर स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें उग्र वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केन्द्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आंकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था। सूर्यकांत ने कहा कि ईडी जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं।



गिरफ्तारी के कारण लिखित में देना जरूरी

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में देना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल बनाम सीबीआई मामले का भी जिक्र किया और कहा कि लंबे समय तक मुकदमे से पहले हिरासत में रखना सजा में नहीं बदलना चाहिए। सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है।

अब बारिश बनी आफत नहीं मिल रही कोई राहत

● एमपी के चित्रकूट में होटलों में फंसे लोग, हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

● छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट



नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। पटना का दीघा घाट डूब चुका है। वहीं, बागहा के डुमरिया घाट पर गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। 15 जिलों को हार्ड अलर्ट पर रखा गया है। मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से करीब 26 फीट ऊंची बह रही है।

घाट किनारे करीब 400 दुकानें डूब चुकी हैं। लोग घरों और होटलों में फंसे हैं। 2 हेलीकॉप्टर के साथ एनडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। राजस्थान में जयपुर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इस साल मानसून के कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे 898 कर्मचारी नेपाल में संकट, छह इंच छेद कर पाइप से पहुंचाई हवा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 752 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। अब तक सुरंग के सामने वाले हिस्से में चार छेद किए जा चुके हैं। अब इसी रास्ते से सुरंग के अंदर जाकर फंसे लोगों की तलाश और उन्हें बाहर निकालने का काम आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।



आधी रात हिरासत में लिए गए आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार

● 2 दिन की मैराथन पूछताछ के बाद कर्नाटक सीआईडी का ऐवशन

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक से बड़ी खबर सामने आई है। आईएएस अफसर ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को हिरासत में ले लिया गया है। सीआईडी ने वेतनरी ऑफिसर (पशु चिकित्सा अधिकारी) के लिए कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन की भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले में आईएएस अफसर को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार से सीआईडी ने लगातार 9 घंटे की कड़ी पूछताछ की थी। उनसे यह पूछताछ शुक्रवार से शुरू हुई थी। उसके बाद दूसरे दिन शनिवार को भी अधिकारियों से पूछताछ की और रविवार को उन्हें हिरासत में लिया गया। ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को सीआईडी ने नोटिस जारी करके पूछताछ के लिए बुलाया था। वह शुक्रवार को जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए। लगातार पूछताछ के बाद उन्हें शनिवार को फिर बुलाया गया। शनिवार को आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार से लगातार नौ घंटे पूछताछ हुई।



मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य पुरस्कार

यूरेनियम सप्लाई पर भी दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

ताशकंद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की है। इस दौरान राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने पीएम नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राज्य पुरस्कार ओली दाराजली डस्टलिक से सम्मानित किया। पीएम मोदी ने अवार्ड के लिए श्रुक्रिया अदा करते हुए कहा कि आज हम तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट समझौतों को औपचारिक रूप दे रहे हैं। आपके देश में न्यू ताशकंद जैसे बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जबकि भारत में हमने गुजरात में गिफ्ट सिटी विकसित की है। इन विकास कार्यों में अपनाई गई बेहतरीन प्रक्रियाओं और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को समझने के लिए उज्बेक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए हमें खुशी होगी। पीएम मोदी ने इस



दौरान बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि हम यूरेनियम की सप्लाई के लिए एक लंबी अवधि की व्यवस्था भी करेंगे। यूरेनियम पर दोनों देशों के बीच समझौता काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष हम अपनी रणनीतिक साझेदारी की 15वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

मोदी ने की उज्बेकिस्तान की तारीफ

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैंने आपकी किताब देखी। इसमें आपने हमारे आपसी आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में कई प्रोजेक्ट्स की पहचान की है और आगे बढ़ने के लिए एक समय-सीमा तय की है। मैं इस पहल की सराहना करता हूँ।

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ... मेरा अधिकार है सवाल पूछना

सवाल करना अपराध नहीं, लोकतंत्र की पहचान है

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ।

आदित्य शर्मा

सह. संपादक राजत टाइम्स

मेरे हाथ में कलम है, मेरे सामने समाज है और मेरे सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी है सच को सामने लाना।

मैं सवाल पूछता हूँ, क्योंकि सवाल करना मेरा अधिकार है। मैं जवाब मांगता हूँ, क्योंकि जनता को जवाब मिलना उसका अधिकार है।

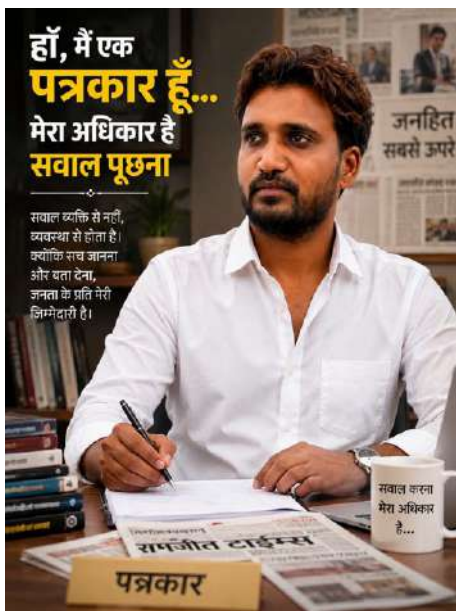
मैं मुद्दे उठाता हूँ, क्योंकि जिन लोगों की आवाज व्यवस्था के गलियारों तक नहीं पहुँच पाती, उनकी आवाज बनना पत्रकारिता का धर्म है। पत्रकारिता केवल खबर लिखने का नाम नहीं है। पत्रकारिता का अर्थ है-सच की तलाश करना, तथ्यों को सामने रखना, व्यवस्था से जवाब मांगना और जनता के हित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना। इसलिए जब कोई पत्रकार किसी अधिकारी से सवाल करता है, किसी जनप्रतिनिधि से सवाल करता है, किसी सरकारी विभाग से जानकारी मांगता है या किसी व्यवस्था में हुई गड़बड़ी पर सवाल उठाता है, तो इसे व्यक्तिगत विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

सवाल व्यक्ति से नहीं, व्यवस्था से होता है।

पत्रकार सवाल क्यों पूछता है?

क्योंकि आम आदमी हर जगह जाकर सवाल नहीं पूछ सकता। एक गरीब व्यक्ति सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाते-लगाते थक सकता है। एक आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर कई बार अधिकारियों के सामने जा सकता है। किसी व्यक्ति की फाइल महीनों तक किसी कार्यालय में पड़ी रह सकती है। किसी सड़क, नाली, भवन, योजना या सरकारी काम में लापरवाही दिखाई दे सकती है। लेकिन जब पत्रकार उस विषय पर सवाल उठाता है, तो वही मुद्दा सार्वजनिक चर्चा का विषय बन जाता है। यही पत्रकारिता की ताकत है।

पत्रकार जनता और व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।



सवाल से डर क्यों? कई बार जैसे ही कोई पत्रकार किसी विषय पर सवाल पूछता है, जवाब देने के बजाय पत्रकार की नीयत पर सवाल खड़े किए जाते हैं-

“आपको इससे क्या मतलब?”

“आप बार-बार सवाल क्यों पूछ रहे हैं?”

“आपको किसने शिकायत की?”

“आप खबर क्यों बना रहे हैं?”

लेकिन सवाल यह होना चाहिए कि जिस विषय पर सवाल पूछा जा रहा है, उसका वास्तविक तथ्य क्या है? यदि सब कुछ नियमों के अनुसार हुआ है तो जवाब दिया जाना चाहिए। यदि कार्य पारदर्शी है तो दस्तावेज सामने रखे जाने चाहिए। यदि शिकायत गलत है तो तथ्य के साथ उसका खंडन किया जाना चाहिए। पत्रकार से नाराज होने के बजाय सवाल का जवाब देना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है।

पत्रकार किसी का दुश्मन नहीं होता पत्रकार किसी अधिकारी का दुश्मन नहीं, किसी जनप्रतिनिधि का दुश्मन नहीं, किसी विभाग का

दुश्मन नहीं। उसका उद्देश्य है- सार्वजनिक हित से जुड़े विषयों को सामने लाना।

कलम की ताकत जिम्मेदारी के साथ आती है-कलम की ताकत के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। सवाल तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। एक जिम्मेदार पत्रकार कभी अफवाह को खबर नहीं बनाता, बिना तथ्य के किसी को दोषी नहीं ठहराता और व्यक्तिगत पसंद-नापसंद को खबर से अलग रखता है। उसकी असली पहचान उसकी निर्भीकता के साथ-साथ उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता से होती है। जनता के पैसे का हिसाब पूछना जरूरी है- सरकार और प्रशासन जनता के लिए काम करते हैं। विकास कार्यों में इस्तेमाल होने वाला पैसा जनता के करों से आता है। इसलिए सवाल पूछा जा सकता है

सड़क किस एजेंसी ने बनाई?

गुणवत्ता कैसी है?

भुगतान किस आधार पर हुआ?

भवन की अनुमति क्या है?

नक्शा स्वीकृत है या नहीं?

नोटिस पर कार्रवाई क्या हुई?

ये सवाल किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, व्यवस्था की पारदर्शिता के लिए होते हैं।

अधिकारी से सवाल करना अपमान नहीं-पत्रकार जब सवाल पूछता है तो उद्देश्य अपमान करना नहीं होता। अधिकारी जनता के लिए काम करता है और पत्रकार जनता से जुड़े सवाल लेकर उसके सामने जाता है। पद बड़ा हो सकता है, लेकिन जनहित से बड़ा कोई पद नहीं।

सवाल पूछने वाला पत्रकार दबाव में क्यों आए?-पत्रकारिता में राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक दबाव हमेशा रहा है। लेकिन यदि पत्रकार हर दबाव के सामने झुक जाए तो जनता की आवाज कौन उठाएगा? पत्रकार का काम सत्ता के सामने झुकना नहीं, बल्कि जनता के सामने जवाबदेह रहना है।

सवाल बंद होंगे तो जवाबदेही भी बंद

होगी-जिस दिन समाज में सवाल पूछने की आदत खत्म हो जाएगी, उस दिन जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाएगी। सवाल ही व्यवस्था को जगाते हैं, अधिकारियों को जवाब देने के लिए मजबूर करते हैं और लोकतंत्र को जीवंत रखते हैं।

मैं सवाल पूछता रहूँगा

हाँ, मैं एक पत्रकार हूँ। मैं सवाल पूछूँगा।

जहां जनता की समस्या होगी, वहां सवाल पूछूँगा।

जहां व्यवस्था में कमी दिखेगी, वहां सवाल पूछूँगा।

जहां जवाब जरूरी होगा, वहां जवाब मांगूँगा। लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करूँगा कि मेरे सवाल तथ्य पर आधारित हों, मेरी खबर निष्पक्ष हो और मेरी कलम किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रभावित न हो। मैं किसी अधिकारी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं रखता। मेरा सवाल केवल उस व्यवस्था से है, जो जनता के प्रति जवाबदेह है।

अगर काम सही है तो जवाब दीजिए।

अगर आरोप गलत हैं तो तथ्य सामने रखिए।

अगर शिकायत निराधार है तो उसका खंडन कीजिए।

लेकिन सवाल पूछने वाले पत्रकार को चुप कराने की कोशिश मत कीजिए।

» सवाल पूछना मेरा अधिकार है।

» सवाल का जवाब देना व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

» और सच को जनता तक पहुंचाना मेरी पत्रकारिता की जिम्मेदारी है।

मैं पत्रकार हूँ...

मेरी कलम बिकेगी नहीं,

मेरी आवाज दबेगी नहीं,

और जनहित के सवाल रुकेंगे नहीं।

जब तक सवाल जिंदा हैं, तब तक लोकतंत्र जिंदा है। और जब तक लोकतंत्र जिंदा है, पत्रकार की कलम चलती रहेगी।

एक पत्रकार की कलम से

पिपलकोटा मे रात मे चोरी की वारदात

देवास जिले के कन्नौद विकास खण्ड मे सतवास थाना क्षेत्र के पिपलकोटा मे बस स्टेण्ड पर ही स्थित चार पांच दुकानो के ताले तोडकर चोर बड़ी नगदी राशी तथा अन्य सामान चुरा कर ले गये प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदीश देवडा मुकेश राठौर गोविंद जायसवाल नितेश राठौर तथा सुनील धनगर आदि की दुकानो मे चोर शटर तथा दरवाजे के ताले तोडकर सामान तथा नगदी लेकर वही से एक मोटर सायकल भी चोरी करके ले गये ओर आगे खेत मे छोड गये घटना से आक्रोषित व्यापारी सतवास थाने पहुंचे जहां अज्ञात चोरो पर प्रकरण दर्ज कराया वही क्षेत्र मे गश्ती वाहन



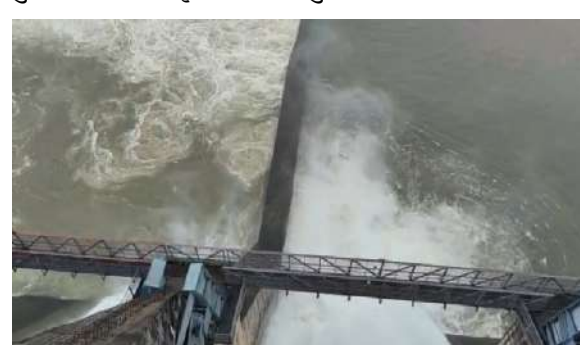
चलाने तथा एक पुलिस चौकी स्थापित करने की भी मांग की क्योंकि यहां पहले भी इस तरह की वारदात हो चुकी है इस सम्बंध मे अनुविभागीय पुलिस अधिकारी आदित्य तिवारी ने बताया कि गश्ती वाहन पिपलकोटा सहित कई

जगह रात्री मे जाता है वही पुलिस चौकी अभी वहां स्थापित नही की जा सकती है क्योंकि अपराध की संख्या के आधार पर पुलिस चौकी स्थापित की जाती है चोरी की वारदात के सम्बंध मे पुलिस सुक्ष्मता से जांच कर रही है।

बाणसागर डैम से छोड़ा गया पानी लोगों को सतर्क रहने का संदेश

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल संभाग बाणसागर बांध के कैचमेन्ट में वर्षा की सक्रियता एवं बढ़ते हुये जल स्तर को दृष्टिगत रखते हुये 30 अगस्त को दोपहर 12.00 बजे से बांध के



06 नग रेडियल गेट, 02-02 मी. खोलकर स्पिलवे के माध्यम से सोननदी में 2454 क्यूमेक्स जल प्रवाह किया गया । नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते

हुए बांध प्रशासन एवम् पि.एच.ई विभाग द्वारा 29 अगस्त से ही बांध के आसपास और निचले इस्तरो नहीं जाने के लिए अलाउंस कराया जा रहा है ।

वैश्विक बंधुत्व का आधार है रक्षाबंधन का पर्व

येन बद्धो बलि राजा... रक्षा सूत्र का यह श्लोक सनातन संस्कृति का आधार है। जिसे उच्चारित कर रक्षा सूत्र को कलाई पर बांधा जाता है। वास्तव में सूत्र का बंधन एक रक्षा संकल्प और दायित्व का स्मरण कराना है। यह मात्र भाई बहन का नहीं वरन् समस्त मानव जाति के परस्पर पवित्र संबंधों का संकल्प पर्व है। इस रिश्ते की सीमाएं क्या है, यह त्योंहार हमारे आध्यात्मिक जीवन में क्या मायने रखता है!

इसे जानने के लिए आपको "सहजयोग" से जुड़ना होगा। राखी के रेशम की डोरी का महत्व हमें तभी समझ में आयेगा जब हम पूरी तरह से उसके तत्व को जान लें। प. पू. श्री माताजी निर्मलादेवी द्वारा संचालित सहजयोग ध्यान पद्धति पूर्ण मानवजाति के लिए एक अद्वितीय देन है। सहजयोग ध्यान पद्धति से आत्मसाक्षात्कार पाने के बाद हमारे सूक्ष्म शरीर में बसे सातों चक्रों को निरंजित करते हुए, "कुण्डलिनी शक्ति" (जो हमारी रीढ़ की हड्डी



के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडलों में विराजमान है) ब्रह्मरंध्र को छेद कर ब्रह्मांड में फैली हुई परमेश्वर शक्ति से एकाकार होती है। हमारे सात चक्रों में से पांचवे चक्र को "विशुद्धि चक्र" (कंठ का भाग) कहते हैं। इसी चक्र के बाईं ओर "बहन और भाई के पवित्र रिश्ते का तत्व है"।

यह तत्व भगवान श्री कृष्ण और उनकी बहन विष्णुमाया के पवित्र संबंधों का भी प्रतीक है। श्री माताजी के अनुसार,

भारत में भाई-बहन संबंध अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं सहजयोगियों में भी ऐसा ही होना चाहिए। हमारे यहाँ रक्षाबंधन तथा भाई दूज होता है जिसमें हम भाई को राखी बाँधते हैं। यह राखी विष्णुमाया की शक्ति है जो भाई की रक्षा करती है। समआयु, एक सी सूझ-बूझ, सुरक्षा, प्रेम और पवित्रता के कारण भाई बहन के संबन्ध अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस संबंध को विष्णुमाया चलती है। (प. पू. श्रीमाताजी, 19-9-92,) राखी का मतलब है रक्षा

करने वाली पवित्र शक्ति इस शक्ति का बंधन बहुत ही जोरदार है और अत्यन्त कोमल भी क्योंकि यह बहन के प्यार की निशानी है, जिसे एक बार राखी बाँधी वहाँ फिर निर्मल रक्षा का स्थान स्थापित किया है। यह परम्परा है। अब मुनष्य की संवेदन क्षमता इतनी कम हो गई है।

राखी बाँधना एक यांत्रिक क्रिया हो गई है, जहाँ श्रद्धा की गरिमा नहीं वहाँ सारी सुंदर मानवी परम्पराएं बेजान हो जाती हैं। रक्षाबंधन बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उस दिन परिपूर्णता की माँग करनी चाहिए। बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनानी चाहिए। अपना लक्ष्य हमेशा ऊँची बातों पर रखना चाहिए। जब हर व्यक्ति एक आदर्श बहन या भाई बनेगा तो "वैश्विक भाईचारे की नींव बनेगी और विश्वशांति के लिए प्रेरणादायी साबित होगी। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर- 1800 2700 800 या वेबसाइट- www.sahajayoga.org.in से प्राप्त करें।

सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है हमारे भीतर की यात्रा

प्राण प्रतिष्ठा का सामान्य अर्थ किसी मूर्ति या मंदिर में दिव्य शक्ति का आह्वान माना जाता है, लेकिन सहजयोग में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक गहरा है। यहाँ प्राण प्रतिष्ठा का मतलब है, हमारे भीतर स्थित दिव्य चेतना का जागरण। सहजयोग के अनुसार प्रत्येक मनुष्य के भीतर कुण्डलिनी शक्ति सुप्त अवस्था में विद्यमान रहती है। जब यह शक्ति जागृत होकर सहस्रार तक पहुँचती है, तब व्यक्ति आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करता है। यही वास्तविक प्राण प्रतिष्ठा है बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक स्थापना। सहजयोग हमें सिखाता है कि मनुष्य का शरीर स्वयं एक मंदिर है। जब हमारे भीतर शांति, संतुलन, करुणा और प्रेम जागृत होते हैं, तब जीवन सच में प्रकाशित होने लगता है। केवल बाहरी पूजा या कर्मकांड पर्याप्त नहीं, भीतर की चेतना का जागना भी आवश्यक है।

ध्यान और आत्मचिंतन के माध्यम से व्यक्ति धीरे-धीरे तनाव, भय और नकारात्मकता से मुक्त होने लगता है। उसके भीतर मौन और आनंद का अनुभव जन्म लेता है। यही भीतर की यात्रा मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप के करीब ले जाती है। इस प्रकार सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है अपने भीतर परम चेतना को अनुभव करना और जीवन को आध्यात्मिक जागरूकता से भर देना। सहजयोग में प्राण प्रतिष्ठा किसी बाहरी कर्मकांड का अंत नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा की शुरुआत है। यह वह क्षण है जब मनुष्य स्वयं को केवल शरीर और मन तक सीमित नहीं मानता,



बल्कि अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना को पहचानता है। जब भीतर का दीपक जलता है, तभी जीवन में वास्तविक प्रकाश आता है और शायद यही प्राण प्रतिष्ठा का सबसे गहरा अर्थ है। अपने भीतर परम चेतना को जागृत कर

जीवन को सचमुच जीवंत बनाने हेतु सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

जन्माष्टमी के बैनर फाड़ने का आरोप, यादव समाज ने खनियाधाना थाने में सौंपा आवेदन



अतुल जैन

सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान और FIR दर्ज कर कार्रवाई की मांग, 48 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

खनियाधाना। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर लगाए गए भगवान श्रीकृष्ण के धार्मिक बैनर और पोस्टर फाड़े जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर यादव समाज एवं हिंदू समाज के लोगों में आक्रोश है। मामले में खनियाधाना थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन में बताया गया कि 29 अगस्त 2026 की रात करीब 11 बजे से 11:40 बजे

के बीच चार अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा नगर में लगे जन्माष्टमी के बैनरों को जानबूझकर फाड़कर सड़क पर फेंक दिया गया। समाज के लोगों का आरोप है कि इस कृत्य से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है तथा नगर के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने का प्रयास किया गया है। यादव समाज की ओर से पुलिस से मांग की गई है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपियों की पहचान की जाए और धार्मिक भावनाएं भड़काने तथा सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले आरोपियों के विरुद्ध उचित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। आवेदन में यह भी कहा गया है कि यदि 48 घंटे के भीतर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो यादव समाज द्वारा नगर के मुख्य मार्ग को जाम कर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी खनियाधाना पुलिस प्रशासन की होगी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एसपी शर्मा की मौजूदगी में सुनीं आमजन की समस्याएं, लंबित शिकायतों का कराया समाधान

बदनावर। मनोहर पाटीदार। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को बदनावर में पुलिस विभाग द्वारा जनसुनवाई एवं शिविर का आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में आमजन की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को सुना गया तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान 30 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और समस्याओं के समाधान के लिए



आवश्यक कार्रवाई की। इस दौरान 15 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों

को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों का शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के बाद समाधान कराया गया। इसके अलावा जनसुनवाई एवं थाना स्तर पर प्राप्त आवेदनों और शिकायतों का भी निराकरण किया गया। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

जिला पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार शर्मा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करना है। साथ ही नागरिकों को पारदर्शी,

संवेदनशील एवं समयबद्ध पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना अभियान की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों का पुलिस व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हो सके। इस अवसर पर एसडीओपी अरविंदसिंह तोमर, टीआई अमितसिंह कुशवाहा, भेंसोला चौकी प्रभारी हिना जोशी, सब इंस्पेक्टर श्वेता प्रजापत सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दिग्गज और युवा खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित हुआ गरिमामयी समारोह गीता रामेश्वरम ट्रस्ट ने 18 खेल हस्तियों को किया सम्मानित

सत्यनारायण पटेल ने किया ऐलान:
हॉकी के वंचित परिवारों और
खिलाड़ियों के लिए जल्द खुलेगी ट्रस्ट
के नेतृत्व में नई अकादमी

इंदौर। गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा शहर में एक भव्य और गरिमामयी समारोह का आयोजन किया, जिसमें खेल जगत के 18 वरिष्ठ एवं युवा खिलाड़ियों को उनकी उत्कृष्ट खेल सेवाओं के लिए सम्मानित कर कृतज्ञता ज्ञापित की गई। इस विशेष अवसर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई अहम घोषणाएं भी की गईं।

वंचित खिलाड़ियों के लिए खुलेगी नई अकादमी... समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यनारायण पटेल ने घोषणा की कि जल्द ही सभी के सहयोग से एक ऐसी अकादमी का संचालन किया जाएगा, जिसका नेतृत्व गीता रामेश्वरम ट्रस्ट करेगा। उन्होंने कहा कि इस अकादमी के माध्यम से हॉकी के उन वंचित परिवारों और खिलाड़ियों की विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिन्हें अमूमन उचित अवसर या स्थान नहीं मिल पाता है। इस मौके पर खजराना गणपति मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप



में सहकारिता नेता एवं वरिष्ठ राधेश्याम पटेल उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में विजय राठौर बंटी, अशोक यादव (एनआईएस कोच), और देवकी नंदन सिलावट भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल और प्रवक्ता एवं समाजसेवी मदन परमालिया ने साझा की। उन्होंने बताया कि समारोह में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत संतोष यादव द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन नरेंद्र सूर्यवंशी ने किया। इस गरिमामयी आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से आए तमाम खिलाड़ी और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ये थे सम्मानित होने वाले प्रमुख खिलाड़ी एवं खेल हस्तियां... इस विशेष समारोह में खेल के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 18 दिग्गजों और उभरते खिलाड़ियों को सम्मानित किया

गया, जिनमें आनंद यादव (हॉकी), नरेंद्र विल्सन (फुटबॉल), डॉ. रफीक खान (हॉकी), सरदार दर्शन सिंह (हॉकी), बद्री चौहान (फुटबॉल), कैलाश कौशल (एथलेटिक्स एवं फुटबॉल), के. सी. कपासिया (शूटिंग), मनोहर लक्ष्मण - पिता पद्मश्री शंकर लक्ष्मण (आर्म्स रेसलिंग), ओ. पी. संकत (हॉकी), अक्षत यादव (एनआईएस कोच), विवेक वर्मा (एनआईएस कोच), हर्षदीप कपूर (जूनियर इंडिया खिलाड़ी - हॉकी), शैलेंद्र वर्मा (एनआईएस कोच), प्रियंका यादव (भारतीय महिला हॉकी वर्ल्ड कप), महिमा सिसोदिया (राइफल शूटिंग - गोल्ड मेडल), राकेश जोशी (स्विंग कोच), राजेश मकवाने और डॉ. एस. पी. शर्मा (फुटबॉल) शामिल थे।

समारोह के दौरान ताहिर हॉकी क्लब के सचिव किशोर शुक्ला को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सांदीपनि विद्यालय बदनावर में पतिभा सम्मान



बदनावर /से मनोहर पाटीदार राष्ट्रीय खेल दिवस पर बदनावर में मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर संस्था प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने माल्यार्पण कर उनके योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस अवसर पर खेल शिक्षक नरेंद्र चौहान द्वारा खेल गतिविधियां करायीं। अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ग्रेबलिंग प्रतियोगिता हरिद्वार में राष्ट्रीय स्तर पर (जीआई में) ऋषिका डांडी स्वर्ण पदक एवं (नोगी में) रजत पदक, जिया शर्मा ने (जीआई में) रजत पदक (नोगी में) कांस्य पदक और रिया शर्मा ने जी (आई में) कांस्य पदक विजेता, (नोगी में) रजत पदक विजेता सांदीपनि

विद्यालय की छात्राओं का सम्मान भी किया गया। खेल गतिविधियां, शपथ और प्रेरक उद्बोधन का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों व एनसीसी कैडेट ने स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली इस अवसर पर मेजर ध्यानचंद जी हॉकी के जादूगर के जीवन वृत्त पर वैभव चौरडिया, अंकित जैन, प्रदीप पांडेय ने विद्यार्थियों को अवगत करवाया। शिक्षक जितेंद्र रावल, शुभम उपाध्याय, महेश चौहान, जीवन जाट ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर संबंधित पोस्टर निर्माण, पेंटिंग प्रतियोगिता भी संपन्न करवाई। कार्यक्रम का संचालन कशिश प्रजापत छात्रा ने किया। आभार राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मधु सिर्वी ने माना।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शिवपुरी जिले के तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान विभिन्न लोकार्पण, भूमि पूजन एवं अन्य कार्यक्रमों में होंगे शामिल

खनियांधाना। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 31 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक शिवपुरी जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरे खनियांधाना एवं पिछोर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमि पूजन, निरीक्षण तथा स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 31 अगस्त को दोपहर में ग्राम अछरौनी पहुंचेंगे, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अछरौनी का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात वे ग्राम चमरौआ सब-स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। उप तहसील बामौरकला का लोकार्पण एवं ग्राम पिपरा सब-स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। खनियांधाना में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।



कुंभ मेला या कमीशन मेला? आस्था के नाम पर विकास या जनता के पैसों की लूट?

नासिक, महाराष्ट्र। वर्ष 2027 में नासिक में आयोजित होने वाला कुंभ मेला महाराष्ट्र के लिए गौरव और पूरे देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। कुंभ की तैयारियों के बीच विकास कार्यों, टेंडर प्रक्रिया, स्वास्थ्य सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। पूर्व पंचायत समिति उपसभापति महेश खारोडे ने सवाल उठाते हुए कहा है— “कुंभ मेला आस्था का महापर्व बने, कमीशन का मेला नहीं।” उनका कहना है कि कुंभ मेले के नाम पर खर्च होने वाले सार्वजनिक धन के प्रत्येक रुपये का हिसाब जनता के सामने होना चाहिए। विकास कार्यों और टेंडरों में पूरी पारदर्शिता तथा

गुणवत्ता सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए और विकास के नाम पर पर्यावरण को अनावश्यक नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। खारोडे ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि कुंभ से जुड़े बड़े खर्च, टेंडर, वृक्ष कटाई और स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित फैसलों की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

सवाल सीधा है—“विकास जरूर हो, लेकिन जनता के पैसों की जवाबदेही के साथ; कुंभ भव्य हो, लेकिन श्रद्धा के नाम पर कमीशन का खेल नहीं।”

महेश खारोडे- सातेगांव

सिंधिया के दौरे से पहले खनियाधाना-पिछोर में हलचल तेज, कलेक्टर ने परखी तैयारियां

अतुल जैन

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने खनियाधाना, पिछोर और बामौर कलां में कार्यक्रम स्थलों का किया निरीक्षण अधिकारियों को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य, सुरक्षा, स्वच्छता और जनसुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

खनियाधाना। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 31 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय शिवपुरी प्रवास को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय मंत्री अपने प्रवास के दौरान शिवपुरी एवं पिछोर विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमिपूजन, निरीक्षण तथा स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे। केंद्रीय मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का विस्तृत निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयसीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता, सुरक्षा, स्वच्छता एवं आमजन की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।



(पिछोर एवं खनियाधाना क्षेत्र के कार्यक्रम स्थलों का लिया जायजा)

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने पिछोर विधायक श्री प्रीतम सिंह लोधी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जसवंत जाटव के साथ पिछोर एवं खनियाधाना क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री द्वारा लोकार्पित एवं भूमिपूजन किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अछरौनी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की व्यवस्थाओं का विस्तार से निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने तथा स्वास्थ्य केंद्र परिसर में

स्वच्छता एवं जनसुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

(बामौर कलां उप तहसील भवन की कमियां तत्काल दूर करने के निर्देश)

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर वर्मा ने पिछोर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उप तहसील बामौर कलां के नवनिर्मित भवन का भी विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने भवन की अधोसंरचना एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही शेष निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के

लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

(बूधोन राजापुरा में सड़क निर्माण के भूमिपूजन स्थल का निरीक्षण)

इसके बाद प्रशासनिक टीम ने विकासखंड खनियाधाना के ग्राम बूधोन राजापुरा पहुंचकर नवीन सड़क निर्माण के प्रस्तावित भूमिपूजन स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रमों को देखते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सौंपे गए दायित्वों को समय पर पूरा करें, ताकि कार्यक्रमों का सुचारू एवं सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, एसडीएम पिछोर श्रीमती ममता शाक्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जेन जी की नियत पर शक नहीं कर सकते

भाषा को सरल करने की जरूरत :

अबरार अहमद काशिफ

इंदौर। जेन जी से संवाद जरूरी है। डॉ. राहत इंदौरी मेरे रूहानी उस्ताद हैं। अब मैं कोशिश कोशिश करूंगा की एक नज़्म ऐसी लिखूँ जिसमें इंसान खुदा से अपनी बात कहे। यह सब कहा मशहूर शायर अबरार अहमद काशिफ ने स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश के प्रोग्राम 'रूबरू' में। शाजापुर के नातिया मुशायरा में शिरकत करने आए अबरार अहमद काशिफ ने एक घंटे तक पत्रकारों के हर सवाल का जवाब बेबाकी से दिया। अबरार काशिफ ने कहा कि अब जेन जी और जेन अल्फा जागृत हो चुके हैं और आपको उनकी बात समझना होगी। हमें कई मर्तबा लगता है इनकी बातें गलत है लेकिन जब सुनते हैं तो लगता है यह सही है। उनकी नियत पर शक नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायर और लेखक हूँ जो सही दिखता और लगता है वो लिखता हूँ। अबरार काशिफ ने कहा कि हर दौर में पीढ़ी बदलाव के साथ चीज बदलती है। हम अभी बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। वर्तमान पीढ़ी कम समय में ज्यादा कंटेंट चाहती है। कविता और शायरी के संदर्भ में भी यही बात लागू है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि भाषाओं को सरल करने की आवश्यकता है। मुश्किल शब्दों को सरल करने का जिम्मा शब्दकोश बनाने वालों पर है। उन्होंने कहा कि उर्दू को लेकर अनावश्यक बातें फैलाई जाती है जबकि उर्दू दिलों में बसने वाली भाषा है। यह महोब्वत की भाषा है। वर्तमान दौर में मुशायरा में उर्दू शायरी करने वालों में गैर मुसलमानों की बढ़ती



संख्या इस बात का प्रमाण है। कोई भी भाषा हो वह हमेशा एक दूसरे को जोड़ने का ही काम करती है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर कतिपय लोग भाषा को लेकर सियासी विवाद पैदा करते रहते हैं लेकिन उसका हासिल कुछ नहीं है। महाराष्ट्र के अमरावती के शायर ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा को प्रचलन में लाने वाला आदेश कुछ गलत नहीं है।



प्रसिद्ध शायर काशिफ ने कहा कि हर क्षेत्र की तरह साहित्य में गिरावट आ रही है। मंच का स्तर भले ही गिर रहा है लेकिन सुनने वाले अच्छे शायर-कवि को खोज कर सुन ही लेते हैं। उन्होंने डॉ. राहत इंदौरी को याद करते हुए कहा कि इंदौर शायरी और साहित्य की धरोहर नगरी है। इंदौर ने कई मूर्धन्य शायर लेखक और कलाकार दिए हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. राहत इंदौरी उनके रूहानी उस्ताद हैं। जब वह मुशायरा के सितारे थे तब उन्होंने उन्हें कई बार मौके दिए और तराशा भी। उन्होंने डॉ. राहत इंदौरी, मुनव्वर राणा, मंजर भोपाली,

बशीर बद्र जैसे कई शायरों का जिक्र करते हुए कहा कि एक दौर में इन्होंने देश भर में मुशायरों को स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत की। हमारी पीढ़ी तो अब फसल काट रही है। अबरार अहमद काशिफ ने बताया कि बरसों पूर्व उन्होंने 'खूदा का सवाल' शीर्षक से नज़्म लिखी थी। इसे अल्लामा इकबाल के शिकवा और जवाबे शिकवा से जोड़ा गया लेकिन इसमें ऐसा कुछ नहीं था। अपनी नज़्म में उन्होंने यह बताने की कोशिश की है कि खुदा सर्वोच्च शक्ति है और बंदे को उनके सामने नतमस्तक रहना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से इंसान खुद को ताकतवर समझने लगा है। उन्होंने बताया कि अब वह इस नज़्म से आगे की बात लिखने की कोशिश करेंगे। प्रारंभ में शायर काशिफ का स्वागत दीपक असीम, प्रवीण खारीवाल, आकाश चौकसे, समीर खान, महबूब कुरैशी, मेहदी मंसूर खान ने किया। उन्हें स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. का स्मृति चिन्ह एवं साहित्य भी भेंट किया।

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति का प्रतीक भोजली पर्व का कोरबा में धूम रहा



कोरबा। शुक्रवार को कोरबा के कई हिस्सों में भोजली का विसर्जन किया गया। इसी कड़ी में रक्षाबंधन के दूसरे दिन भादो कृष्णपक्ष प्रतिपदा शनिवार को महिलाएं और युवतियां सिर पर भोजली की टोकरी रखकर पारंपरिक लोकगीत गाते हुए झरना पारा स्थित घाट में विसर्जित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। लोक परंपरा के अनुसार नाग पंचमी के दिन कुम्हार के घर से लाई मिट्टी और खाद से भरी टोकरी में गेंहू-जवार के अंकुरों को सात दिनों तक घरों में देवी स्वरूप मान कर पूजा की जाती है और भादो

के प्रथम दिन इसे पूजा पाठ के साथ नदी, तालाबों में विसर्जित किया जाता है। बुजूर्गों के अनुसार भोजली जितनी विकसित और हरी होगी, धान भी उतना ही अच्छा होगा। यूं कहें तो भोजली का पर्व प्रकृति पूजा का एक स्वरूप है। विपेंद्र कुमार साहू ने बताया 15 ब्लाक झरना पारा में भोजली विसर्जन के बाद मितान परंपरा का भी निर्वहन किया गया और प्रिय सहेली, प्रिय दोस्त को भोजली आदान-प्रदान कर एक-दूसरे के साथ मितान की रस्म पूरी की गई और आजीवन दोस्ती निभाने का संकल्प लिया गया।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

ईशान की जगह मिली टीम की कप्तानी!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी रविवार को बंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ईस्ट जोन के कार्यवाहक कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज इस मैच में उप-कप्तान के तौर पर उतरे थे, लेकिन रेगुलर कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद अचानक उन पर कप्तानी सौंपी गई। किशन के मैदान से बाहर जाने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने सेंट्रल जोन की पारी के 19वें ओवर में टीम की कप्तान संभाली।

शुभमन गिल (19 साल, 334 दिन) ने 2019 दलीप ट्रॉफी के दौरान इंडिया ब्लू की कप्तानी करते हुए इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे कम उम्र में आधिकारिक तौर पर नियुक्त कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

लेकिन सूर्यवंशी को किशन के चोटिल होने के बाद यह मौका मिला जोकि नियमों के तरह कप्तान के चोटिल होने के बाद उप-कप्तान को मिलने वाली जिम्मेदारी है।

विकेटकीपिंग के दौरान किशन की दाहिनी कलाई पर चोट लगी और टीम के फिजियो ने तुरंत उनका इलाज किया। इसके बाद वे आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए और बाद में हाथ पर पट्टी बंधवाकर लौटे। झारखंड के उनके साथी खिलाड़ी कुमार कुशग्रा ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। किशन के उपलब्ध न होने पर सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी संभाली, यह सीनियर पुरुष टीम के कप्तान के तौर पर उनका पहला अनुभव था।

यह मौका उन्हें ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद मिला जिस पर काफी बहस हुई थी।

चयनकर्ताओं ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह कदम टीम की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय उनके लंबे समय के विकास में योगदान देने के लिए उठाया गया था। ईस्ट जोन चयन समिति का हिस्सा रहे झारखंड के चयनकर्ता मनीष वर्धन ने क्रिकइन्फो से कहा था, 'हम सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोच रहे हैं।' सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी उनके फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत में ही मिल गई। सेंट्रल जोन के खिलाफ यह मैच सूर्यवंशी का दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच है। इससे पहले 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने के बाद से वे 9 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके थे।

सूर्यवंशी का पिछला प्रदर्शन

सेमीफाइनल में उनका खेलना टूर्नामेंट में उनके मिले-जुले पहले अनुभव के बाद हुआ। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की शुरुआती दौर की जीत के दौरान, सूर्यवंशी अपनी पहली दलीप ट्रॉफी पारी में सिर्फ आठ रन ही बना पाए थे। हालांकि, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और दो विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने पारी से जीत हासिल की। उनके कुल मिलाकर फर्स्ट-क्लास बैटिंग के आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी अपने विकास के शुरुआती दौर में हैं। सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 16.53 की औसत से 215 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। सूर्यवंशी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यह मौका उन्हें शानदार दृक्कसीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाने के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

● महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया



एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमों 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस प्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

थिब्वी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फिलकर मानी जाने वाली थिब्वी यानसेन ने शानदार ड्रैग फिलकर लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फिलक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गई और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं।

हर बहन की रक्षा ही हर युवा का संकल्प हो : श्री निपानिया धाम

रक्षाबंधन पर्व के बाद रविवार की विशेष आरती में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

राजेश धाकड़

दलोदा। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर निपानिया स्थित श्री अंबाजी धाम में रविवार को विशेष आरती एवं धार्मिक आयोजन हुआ। पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में आयोजित विशेष आरती में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और माता के दर्शन कर धर्मलाभ लिया।

विशेष आरती के दौरान ग्राम निंबोद से माता जी के लिए विशेष सिंहासन बनवाकर भक्तों द्वारा भेंट किया गया। यह सिंहासन धर्मेन्द्र सिंह सिसोदिया के सहयोग से तैयार करवाया गया। इस अवसर पर ग्राम निंबोद के भक्तों ने पूज्य गुरुदेव को कथा



आयोजन के लिए निमंत्रण भी दिया। रक्षाबंधन पर्व पर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए श्री अंबाजी धाम के पीठाधीश्वर पूज्य गुरुदेव ने कहा कि वर्तमान समय को देखते हुए प्रत्येक सनातनी युवा

को हर बहन की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। तभी देश की संस्कृति और सनातन परंपराओं की रक्षा हो सकेगी तथा आने वाली पीढ़ी में धर्म और संस्कारों की स्थापना होगी।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व केवल बहन की कलाई पर राखी बांधकर अपना कर्तव्य पूरा करने तक सीमित नहीं है। जीवन में जब भी कोई बहन किसी परेशानी या संकट में दिखाई दे, तो एक भाई के रूप में उसके लिए ढाल बनकर खड़ा होना चाहिए। इसी भावना से रक्षाबंधन पर्व की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। कार्यक्रम के पश्चात सुवासरा से दिल्ली के लाल किले तक साइकिल से तिरंगा यात्रा लेकर पहुंचने वाले यात्रा संयोजक विनय जांगड़ एवं यशवंत विश्वकर्मा (निंबोद) का पूज्य गुरुदेव द्वारा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।



कर्म को साधना बनाता है निष्काम भाव : सहज योग

मानव जीवन कर्मप्रधान है। कर्म के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं, लेकिन कर्म की वास्तविक सार्थकता इस बात में है कि उसे किस भाव से किया जा रहा है। जब कर्म के साथ 'मैंने किया' का भाव जुड़ जाता है, तो सहज रूप से किया गया कार्य भी अहंकार का कारण बन सकता है। इसके विपरीत जब कर्म निःस्वार्थ भाव और ईश्वर के प्रति समर्पण के साथ किया जाता है, तो वही कर्म सच्ची साधना का रूप ले लेता है। सहज योग की संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी ने आत्म-साक्षात्कार और ध्यान के माध्यम से मनुष्य को अपने भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानने का मार्ग बताया। सहज योग में साधक को यह अनुभव करने की प्रेरणा दी जाती है कि जीवन में किए जाने वाले शुभ कर्मों के पीछे ईश्वर की शक्ति कार्य करती है और मनुष्य उस शक्ति का केवल माध्यम है। सामान्य जीवन में अपने अच्छे कार्यों पर गर्व करना स्वाभाविक है, लेकिन जब गर्व 'मैंने यह किया', 'मेरे कारण यह संभव हुआ' जैसी भावना में बदल जाता है, तब कर्ता भाव उत्पन्न होता है। यही कर्ता भाव आध्यात्मिक उन्नति में बाधा बन सकता है। सहज योग साधना व्यक्ति को इस 'मैं' के भाव से ऊपर उठकर अपने कर्मों को परमात्मा को समर्पित करने की प्रेरणा देती है।



सहज योग ध्यान में इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियों का विशेष महत्व बताया गया है। इड़ा और पिंगला के संतुलन से साधक के भीतर संतुलन और जागरूकता विकसित होती है तथा वह सुषुम्ना मार्ग के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान की दिशा में आगे बढ़ता है। ध्यान के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को अधिक सजगता से देखता है तथा आंतरिक शांति का अनुभव करता है। सेवा भी साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा करते समय यदि प्रशंसा, सम्मान या व्यक्तिगत श्रेय की अपेक्षा न हो, तो सेवा वास्तव में निष्काम कर्म बन जाती है। * 'कर्ता और करविता ईश्वर है, मैं केवल उसका माध्यम हूँ' * यह भाव मनुष्य को अहंकार से दूर कर भीतर से अधिक शांत और संतुष्ट बनाने में सहायक हो सकता है। आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन

में सहज योग ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर लौटने, आत्म-साक्षात्कार की दिशा में बढ़ने और जीवन में संतुलन स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। आइए, सहज योग से जुड़ें, ध्यान की सरल तकनीक सीखें और अपने कर्मों को निःस्वार्थ भाव से ईश्वर को समर्पित करने का प्रयास करें। सहज योग ध्यान केंद्र सभी नए साधकों का स्वागत करता है। सहज योग के बारे में अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 270 0800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर संपर्क करें। सहज योग पूर्णतया निःशुल्क है।

मायापुरी गणेश मंदिर में चौरसिया समाज ने मनाया भव्य भुजलिया उत्सव



राजेश धाकड़

इंदौर,। मायापुरी स्थित गणेश मंदिर में चौरसिया समाज द्वारा पारंपरिक भुजलिया उत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। आयोजन में समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर समाज के सदस्य रामेश्वर चौरसिया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भुजलिया पर्व के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भुजलिया उत्सव केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी कृषि परंपराओं, जल संरक्षण और सामाजिक एकजुटता की

भावना से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक विरासत को आगे बढ़ाएं तथा समाज में आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाजजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। आयोजन के अंत में प्रसादी का वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मायापुरी गणेश मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। समाजजनों ने सामूहिक रूप से सुख-समृद्धि एवं समाज की उन्नति की कामना की।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण वितरण के साथ हमें प्रेषित करें
सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888